भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1771
02 अगस्त, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तमिलनाडु की सिद्ध चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिया जाना

1771. श्री एस. कल्याणसुन्दरम:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु की पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) तंजावुर जिले में सरकार द्वारा चलाए जा रहे आयुष मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की सूची क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आयुष मंत्रालय ने तमिलनाडु की पारंपरिक सिद्ध चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

आयुष मंत्रालय ने **देश में सिद्ध चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाने के लिए चेन्नई में केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) और राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस)** की स्थापना की है। आयुष मंत्रालय विभिन्न केन्द्रीय क्षेत्र योजनाओं और केन्द्रीय प्रायोजित योजना जैसे राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) और सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) का भी प्रचालन करता है।

सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) स्कीम के अंतर्गत, मंत्रालय सिद्ध चिकित्सा और उपचार पद्धति सहित आयुष के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर के मेलों, राज्य स्तरीय मेलों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि जैसे आयोजनों के लिए सहायता देता है। इस योजना में प्रिंट और समाचार मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार का भी प्रावधान है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के तहत सिद्ध सहित आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं:

i. आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र।

ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना।

iii. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय के लिए भवन का निर्माण/नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण।

v. 50/30/10 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

vi. राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी दवाइयों की आपूर्ति।

vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

viii. व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (बीसीसी)।

ix. राज्य और जिला स्तर पर गतिशीलता सहायता।

x. आयुष ग्राम।

xi. आयुष स्नातक-पूर्व शिक्षण संस्थानों का ढांचागत विकास।

xii. आयुष स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थानों का ढांचागत विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

सीसीआरएस और एनआईएस के मौजूदा संस्थानों/इकाइयों को सुदृढ़/उन्नयन करने और सिद्ध चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाने के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप चलाए गए हैं:

i. केन्द्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) और राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) की विभिन्न इकाइयों में सिद्ध औषधीय पादप उद्यानों का रख-रखाव किया जाता है।

ii. **क्षेत्रीय कच्ची औषधि भंडार (आरआरडीआर),** परियोजना को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा सहायता प्राप्त औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन की केन्द्रीय क्षेत्र योजना के तहत एससीआरआई, चेन्नई में चलाई जा रही है।

iii. सिद्ध नैदानिक अनुसंधान इकाई, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल परिसर, नई दिल्ली में कैंसर ओपीडी भी शुरू की गई है।

iv. सीसीआरएस ने सहयोगात्मक अध्ययन करने के लिए राजकीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जीआईएमएस), नोएडा; अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली; राष्ट्रीय पोषण संस्थान- आईसीएमआर, चेन्नई जैसे प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, सीसीआरएस द्वारा विकसित अनुसंधान एवं विकास प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के व्यवसायीकरण के लिए एक्सेलरेटिंग ग्रोथ ऑफ न्यू इंडिया इनोवेशन (एजीएनआईआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया गया है।

v. आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों में सिद्ध चिकित्सकों को कोविड के निवारक उपायों को अपनाने और बिना लक्षण वाले तथा लक्षण वाले कोविड रोगियों के प्रबंधन में सहायता प्रदान की गई है।

तमिलनाडु सरकार ने सिद्ध चिकित्सा पद्धति के माध्यम से कोविड-19 की रोकथाम और उपचार हेतु दिशानिर्देशों के साथ आरोग्यम नामक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है।

vi. **कबासुर कुडिनीर का राष्ट्रव्यापी वितरण**: सीसीआरएस और एनआईएस ने अपने परिधीय संस्थानों/इकाइयों के माध्यम से "आयुष संजीवनी मोबाइल ऐप के माध्यम से होम आइसोलेशन में अलक्षण, हल्के से मध्यम लक्षण वाले कोविड-19 के रोगियों में चयनित आयुष उपचारों यथा आयुष-64 और कबासुर कुडिनीर की प्रभावकारिता का प्रलेखन – एक संभावित बहुकेंद्रीय समुदाय आधारित अध्ययन" नामक परियोजना चलाई है। सेवा भारती कार्यकर्ताओं के सहयोग से कोविड-19 से प्रभावित क्षेत्रों में कबासुर कुडिनीर चूरनम का सामूहिक वितरण किया गया। इस नमूना आकार में कुल 30,000 को शामिल किया गया था। कबासुर कुडिनीर कोविड-19 के प्रबंधन और रोकथाम में महत्वपूर्ण रूप से प्रभावी सिद्ध हुआ है।

vii. **अमुक्कुरा चूर्णम टैबलेट का राष्ट्रव्यापी वितरण:** एनआईएस और सीसीआरएस ने अपने परिधीय संस्थानों के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव गतिविधियों के तहत अमुक्कुरा चूर्णम टैबलेट का वितरण किया।

viii. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान परिसर में एक एकीकृत सिद्ध कैंसर ओपीडी सफलतापूर्वक काम कर रही है जो सिद्ध चिकित्सा पद्धति के माध्यम से कैंसर रोगियों की उपशामक देखभाल में सहायता कर रही है।

ix. सीसीआरएस और एनआईएस के परिधीय संस्थानों/इकाइयों में आयुष-अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) कार्यान्वित की गई है।

x. **डब्ल्यूएचओ सहयोग के तहत कार्यकलाप:**

आयुष मंत्रालय के साथ डब्ल्यूएचओ के समझौते के तहत सिद्ध चिकित्सा पद्धति पर निम्निलिखत कार्यकलाप शुरू किए गए हैं:

क. आईसीडी-11 के परंपरागत चिकित्सा अध्याय के दूसरे मॉड्यूल में सिद्ध मोरबिडिटी कोड्स का समावेशन।
ख. सिद्ध शब्दावली का दस्तावेज।
ग. सिद्ध में अभ्यास हेतु बेंचमार्क्स और वरमम में अभ्यास हेतु बेंचमार्क्स।

xi. **मोबाइल ऐप्लिकेशंस और पोर्टल:**

क. शरीर रचना के मूल्यांकन (एबीसी) के लिए सिद्ध उदल इयाल इन्वेंट्री - YI का सत्यापन - यह रोगों का निदान करने, उनके कारणों और उपचार के तरीके को तय करने का मौलिक आधार बनाता है। यह शरीर रचना के आधार पर जीवनशैली में बदलाव/सिफारिश भी करेगा।
ख. **SiddAR ऐप** - औषधि की प्रतिकूल प्रतिक्रिया के प्रलेखन की सिद्ध पहल विकसित की गई है ताकि सिद्ध दवाओं, जिनसे जनता लाभान्वित होती है, के देखे गए और सूचित किए गए दुष्प्रभावों का प्रलेखन किया जा सके।

ग. **नमस्ते पोर्टल –** नेशनल आयुष मोरबिडिटी एंड स्टेंडर्डाइज्ड ट्रमिनॉलिजीज इलेक्ट्रोनिक (नमस्ते) पोर्टल सिद्ध चिकित्सा पद्धति में प्रयुक्त मानक शब्दावली के बारे में सूचना प्रदान करता है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 अक्तूबर, 2017 को नमस्ते पोर्टल आरंभ किया गया था।

घ. डोरमैन भ्रामक विज्ञापन, लंबे-चौड़े दावे और चमत्कारी उपाय अधिनियम प्रबंधन मोबाइल अनुप्रयोग के लिए एक एंड्राइड मोबाइल ऐपलीकेशन है।

xii. **सिद्ध दिवस:** सिद्ध चिकित्सा के जनक सिद्धार अगस्तियार के जन्म नक्षत्र पर सिद्ध दिवस मनाया जा रहा है ताकि जनता के बीच जागरूकता लाई जा सके और सिद्ध चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाया जा सके। पांचवां सिद्ध दिवस 23 दिसंबर, 2021 को सीसीआरएस, राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान और तमिलनाडु सरकार द्वारा चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम, चेन्नई में मनाया गया था।

xiii. **कोविड-19 से संबंधित अनुसंधान निम्न वेब लिंक पर देखे जा सकते हैं:**
https://www.ayush.gov.in/docs/Published%20Articles%20and%20Preprints.pdf

(ख): भारत सरकार द्वारा तमिलनाडु के तंजावुर जिले में किसी आयुष मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का संचालन नहीं किया जा रहा है। हालांकि, तमिलनाडु सरकार द्वारा तंजावुर जिले में 13 आयुष (सिद्ध) अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं।

*****